एस.पी.एस. संविदा

इंडिया डेवलपमेंट फाउंडेशन

लखनऊ

12 सितम्बर 2005

प्रस्तुतीकरण

- एस.पी.एस. संविदा का परिचय
- भारत में स्थिति
- कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे

सेनिटरी एण्ड फाइटो-सेनिटरी संविदा

- ✓उरुग्वे के विश्व व्यापार वार्ता के दौरान हस्ताक्षरित किये गये
- ✓प्राथमिक उद्देश्य : इंसानों, जानवरों और पौधों के स्वास्थ या जीवन की रक्षा
- ✓पहुँचने का रास्ता : खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना

I·D·F

न्यूनतम मानक

- ✓ सदस्य राष्ट्रों को अन्तर्राष्ट्रीय मानकों का अनुसरण करने के लिए प्रोतसाहित करना
- ✓ कोडेक्स, आई. ओ.ई. एवं अन्य द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संयंत्र संरक्षण अनुबन्ध के साँचे के अन्दर विकसित किया जाना चाहिए

I·D·F

अपना मानक स्थापित करने का अधिकार

- ✓ वैज्ञानिक स्द्धिान्तों पर आधारित
- ✓ यह किसी भी प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबन्ध न लगाये

सौहार्दता के सिद्धान्त

- ✓ सदस्यों द्वारा सामान्य साइटो एण्ड फाइटो - सेनिट्री मानक की स्थापना, पहचान एवं लागू करना

पादर्शिता के सिद्धान्त

- ✓ दूसरे सदस्यों द्वारा स्थापित किये गये मानक की जानकारी सभी सदस्यों को हो
- ✓ सदस्यों को एस.पी.एस. मानक घोषणा करने के लिए अनिवार्य

उत्पाद मानक

- ✓ उत्पाद की गुणवत्ता
- ✓ कीटनाशकों, योज्यों, एवं शेष बचे नुकसानकारक पदार्थों आदि के लिए स्वीकृति स्तर
- ✓ प्रदूषक एवं नष्टकारी पदार्थों के लिए स्वीकृति स्तर

संरक्षण मानक

- ✓ उत्पादन के दौरान स्वच्छता बनाये रखने के लिए मार्गदर्शन
- ✓ संयन्त्र में रोशनी, हवा एवं दूसरी स्वास्थवृत परिस्थितियों का प्रावधान
- ✓ प्रयोग की गयी तकनीक का स्तर

I·D·F

जाँच मानक

- ✓ गुणवत्ता की जाँच के लिए विभिन्न जाँच कार्यान्वित करना
- ✓ उत्पादन प्रक्रिया के दौरान स्वास्थ्यप्रद परिस्थितियों का निरीक्षण
- ✓ सामान्यतः स्वतंत्र इकाईयों के द्वारा जाँच की जाती है

प्रमाणीकरण मानक

- ✓ प्रमाणपत्र देने वाली एजेंसी की पहचान
- ✓ प्रमाणपत्र यह निर्देशित करता है कि उत्पाद द्वारा प्रश्न के रुप में उत्पाद एवं प्रक्रिया मानक संतुष्ट किए गये हैं
- ✓ यह एजेंसी संस्थानों द्वारा इन मानकों का अनुसरण किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखती है

पूर्ति के लिए बाध्य

- ✓ ज़्यादातर राष्ट्रों ने यह निर्देशित किया है कि किसी एक उत्पाद को कौन से मानक एवं प्रक्रिया की अवश्य ही पूर्ति करनी चाहिए
- ✓ ये मानक एवं पक्रियाएँ विभिन्न देशों एवं विभिन्न उत्पादों के लिए अलग हो सकती हैं

विवाद निपटारा इकाईयाँ

- ✓ ये इकाईयाँ डब्ल्यू.टी.ओ. के अन्तर्गत आती हैं
- ✓विभिन्न देशों के बीच सम्बोधन विवाद
- ✓सभी देशों के प्रतिनिधियों का सम्मेलन
- ✓ये संविदा के नियमों के आधार पर फैसला देती हैं

अनुसरण के लिए पहुँच

- ✓ उद्योग स्तर पर उठने वाले मुद्दे और संस्था स्तर पर नहीं
- ✓ केन्द्रिय सरकार की पहल
- ✓ आदान-प्रदान में शामिल खर्च वहन करने के लिए तैयार होना

भारत में स्थिति

भारत से कृषि निर्यात

- कई खाद्य पदार्थों का सबसे बड़ा उत्पादक
- भारतीय खाद्य बाज़ार : 250 बिलियन रुपये से ज़्यादा
- मूल्य-वर्धित उत्पादक : 80 बिलियन रुपये
- खाद्य निर्यात : 1350 मिलियन रुपये
- निर्यात का एक बड़ा हिस्सा विकासशील देशों को जाता है

भारत से निर्यात

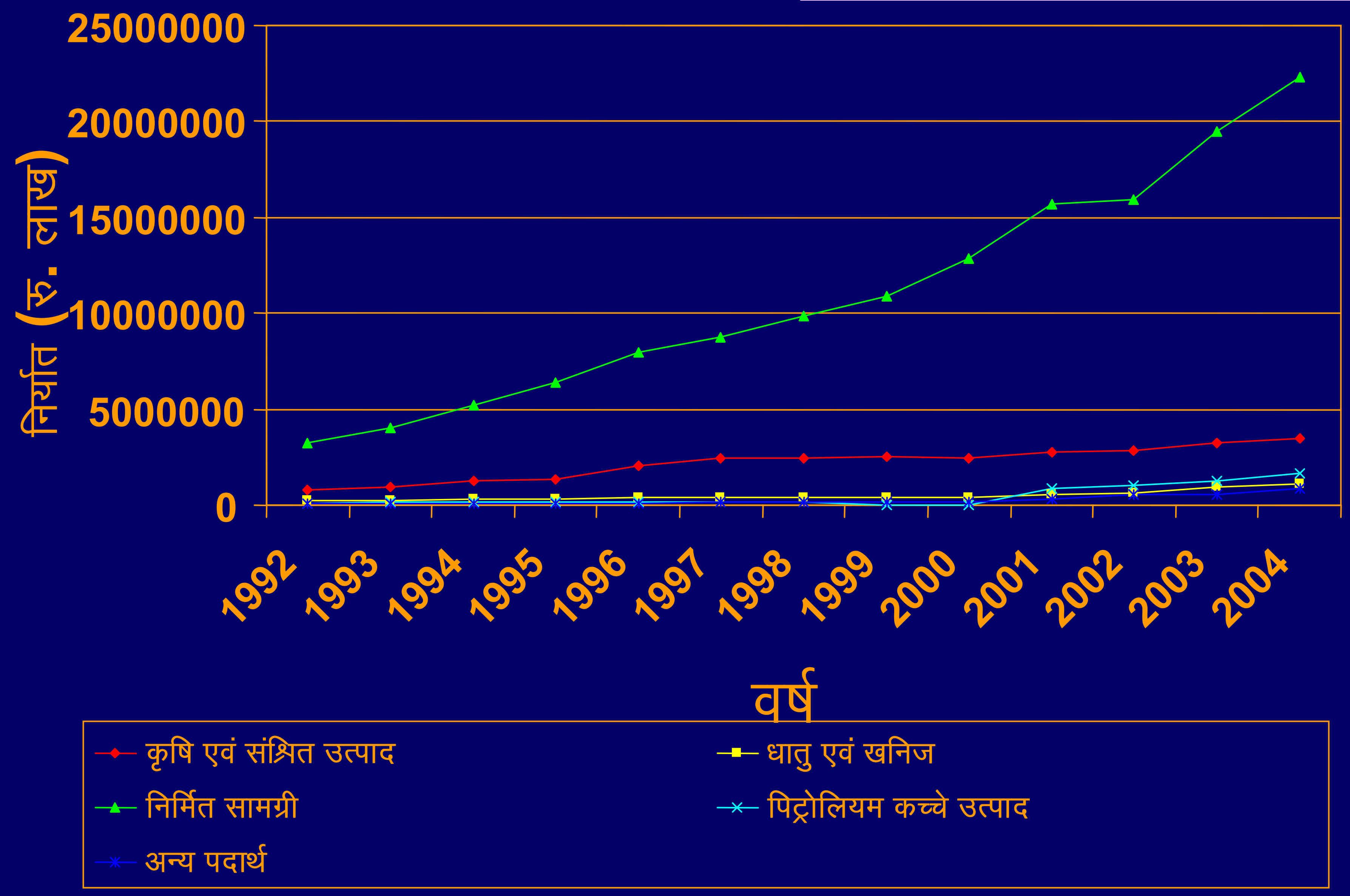
25000000
20000000
15000000
10000000
5000000
0
निर्यात (रु. लाख)
1992
1993
1994
1995
1996
1997
1998
1999
2000
2001
2002
2003
2004
वर्ष
कृषि एवं संश्रित उत्पाद
धातु एवं खनिज
निर्मित सामग्री
पिट्रोलियम कच्चे उत्पाद
अन्य पदार्थ

उद्योग की एक झलक

- खाद्य संरक्षण उद्योग का विकास दर : 15 प्रतिशत
- 2004 में इकाईयों की संख्या : 6607
- संचित क्षमता : 2.5 एम.टी.
- प्रत्यक्ष व्यवसाय : 270 हज़ार
- जी.डी.पी.को योगदान
- एफ़.डी.आई.जो वर्ष 2004 में आई : 3.5 बिलियन रुपये

मानक स्थापित करने वाली एजेंसियाँ

- ✓भारत मानक संस्थान : भारत में मानकों के लिय मुख्य एजेंसी
- ✓कोडेक्स (इंडिया) : अन्तर्राष्ट्रीय संगठन कोडेक्स एलिमेन्टेरियस की भारतीय शाखा

अन्य एजेंसियां

- ✓खाद्य संरक्षण उद्योग मंत्रालय
- ✓निर्यात निरीक्षण समिति
- ✓ए.पी.ई.डी.ए.
- ✓एम.पी.ई.डी.ए.

कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे

व्यापार बाधा के रुप में

उदाहरण

- ✓ ई.यू. ऐसे देशों को जिनकी क्षमता अपने कोटे को आधा भी पूरा करने की नहीं होती, उन्हें ज़्यादा बाजारों तक पहुँच प्रदान करता है
- ✓ यह ऐसे देशों के लिए जिनके पास ई.यू. को वृहत आपूर्ति करने की क्षमता है के लिए एक बाधा के रुप में कार्य कर सकती है

अनावश्यक उच्च मानक

उदाहरण

- ✓ मशरुम में प्रयोग किये जाने वाले कीटनाशक, मैथोप्रेन की उपस्थिति की अधिकतम मात्रा
- ✓ स्थापित किया गया सहनशीलता स्तर

  कैनेडा : 0.05 मि.ग्राम/ लीटर

  कोडेक्स : 0.2 मि.ग्राम/ लीटर
- ✓ केनेडा के मानक बहुत ज़्यादा कठोर हैं

आवश्यक तकनीक की कमी

उदाहरण

- ✓ ई.यू. गायों को केवल मशीनों द्वारा दूहने की आज्ञा देता है
- ✓ भारत जैसे देश के लिए इसे पूरा करना बहुत मुश्किल है जहाँ पर बड़ी संख्या में छोटे उत्पादक हैं
- ✓ सम्भाव्य हल सहकारिता स्तर पर अच्छी तकनीक को अपनाया जाए

उच्च पूँजी -निवेश की ज़रुरत

उदाहरण

- ✓ बंगलादेश में झींगा उद्योग ने एच.ए.सी.सी. प्रणाली को अपनाने के लिए 18 मिलियन यू.एस.डी. खर्च किये
- ✓ नियमित व्यय : देख -भाल के लिए 2.4 मिलियन यू.एस.डी प्रति वर्ष
- ✓ एक उद्योग के लिए ये खर्च बहुत ज़्यादा है
- ✓ उद्योग स्तर पर प्रयास की आवश्यकता है
- ✓ सरकार के सहयोग की भी अवश्यकता है

जल-वायु परिस्थिति

उदाहरण

- ✓ भारत
- ✓ गर्म एवं आद्र वातावरण वाले देशों की समस्या
- ✓ स्वास्थ के लिए कठोर मानकों को पूरा करना मुश्किल है
- ✓ फफूँद और दूसरे जीवाणु के बढ़ने का खतरा
- ✓ इसका सम्भव्य हल संरक्षण और पैकेजिंग के दौरान ठंडी अवस्था

आशा किये गये लाभ

- ✓उच्च निर्यात क्षमता
- ✓ज़्यादा संख्या में बाज़ारों तक पहुँच
- ✓बेहतर प्रौद्योगिकी घरेलू बाज़ार में भी मदद करेगी
- ✓मानक स्थापना प्रक्रिया में देश के लिए बेहतर मोल-भाव शक्ति

समय की माँग

- एस.पी.एस. मानक संबंधित विषय पर उत्पादक एवं निर्यातकों में जागरुकता

✓संस्था स्तर पर अधिक जागरुकता

✓संचय में लाभ और चुनौतीयों दोनों से संबंधित जागरुकता

✓उद्योग संगठन और सरकार द्वारा अधिक प्रयास

समय की माँग

- पर्याप्त और समय पर सूचना की उपलब्धता

✓ दूसरे देशों द्वारा लागू किय गये नये मानकों की सूचना
✓ अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा लागू किये गये मानकों की सूचना
✓ दूसरे देशों के बीच विवाद पर सूचना
✓ सभी पूँजीपतियों के लिए इस सूचना पर एक नियमित जानकारी देना

समय की माँग

- पर्याप्त संसाधनों की उपलब्ध्ता
  - ✓ख़र्चीली सूचना
  - ✓प्रौद्योगिकी ख़र्च/ मूल्य
  - ✓प्रषित माल के रोके एवं अस्वीकार किये जाने की स्थिति में संस्थानों की जोखिम उठाने की क्षमता
  - ✓बडे संस्थानों के पास ज़्यादा संसाधान, छोटे संस्थानों के पास ज़्यादा चुनौतीयां हैं

समय की माँग

- सरकार द्वारा सक्रिय भागीदारी

✓मानक स्थापना प्रक्रिया में ज़्यादा भागीदारी

✓किसी विवाद की स्थिति में इसकी आवाज को उठाने में ज्यादा आगे आना

✓भारत में उद्योग द्वारा सामना किये गये किसी भेद-भाव के प्रति ज्यादा जागरुक

धन्यवाद

उत्पाद मानक

उदाहरण : आम

- ✓ आम क्षति के बिना होने चाहिए
- ✓ इसे पर्याप्त पका हुआ होना चाहिए
- ✓ इसमें कीटनाशक जैसे कार्बनडज़िम, डिथ्योकार्बामेटस और प्रोक्लोराज़ की अधिकतम मात्रा : 2 मि.ग्राम/ कि.ग्राम
- ✓ मिलावट का अधिकतम स्तर जैसे टिन : 1 मि.ग्राम/कि.ग्राम

संरक्षण मानक

- दउदाहरण : मसालों एवं मसालेदार पौधों के लिए स्वास्थ्यप्रद अभ्यासों का कोड

✓ सफाई, पैकिंग एवं परिवहन इस तरह से किया जाना चाहिए कि हवा से जल के पुनः अवशोषण को रोका जा सके

✓ भवनों की अच्छी तरह से मरम्मत की जानी चाहिए और कीटानुओं की वृद्धि को रोका जाना चाहिए

✓ पैक करने के लिए प्रयोग की गयी सामग्री इस प्रकार की होनी चाहिए कि वह दूषित करने वाले तत्वों को रोक सकें

- उदाहरण : सैल्मोनेल्ला की उपस्थिति

✓ सैल्मोनेल्ला की उपस्थिति की जाँच के लिए मांस उत्पादों की शुक्ष्मजैविकीय जाँच की जाती है

jaaDca maanak

✓ आई.एस.ओ. 6579 : 1993 ने जाँच प्रक्रिया को निर्देशित किया

प्रमाणीकरण मानक

- उदहारण : मॉरिशस से ई.यू. को समुद्री उत्पादों का निर्यात

✓ कृषि, मतसय एवं सहकारी मंत्रालय की कार्यकलीय पशु सेवायें (ओ.वी.एस.) प्रतिस्पर्धी प्राधिकरण है

✓ उत्पाद अवश्य ही मान्यता प्राप्त स्थानों एवं शीत संग्रहकों से आने चाहिए

✓ प्रषित माल के साथ एक हस्ताक्षरित एवं पूर्ण प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए

विवाद

- उदाहरण :निकारगुआ से मैक्सिको को ब्लैक बींस का निर्यात

✓ मैक्सिकन अधिकारियों ने निकारगुआ से ब्लैक बींस के आयात के लिए आवश्यक दस्तावेज जिसमें फाइटो सेनिटरी आवश्यकतायें थीं, आयातकों को प्रदान करने से इनकार कर दिया

✓ निकारगुआ से ब्लैक बींस के आयात के लिए आवश्यक फाइटो सैनिटरी अब्यासों के प्रकाशन में असफलता

✓ मैक्सिको के इस मुद्दे पर संबोधन के बाद निकारगुआ ने अपनी शिकायत वापस ले ली